पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय सत्तेनापल्ली

PM SHRI KENDRIYA VIDYALAYA SATTENAPALLI

2024-2025

Shri Jagadish Kumar Gupta
-Principal

परम शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा के नौ रूपों पर आधारित प्रबंधन केंद्रीय विद्यालय सत्तेनपल्ली हेतु एक अभिनव और सांस्कृतिक दृष्टि से एक महत्त्वपूर्ण प्रयास है, जो विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और शिक्षा के विभिन्न पहलुओं से जोड़ता है। यहां प्रत्येक देवी के गुणों को विद्यालय के संचालन और छात्रों के विकास में लागू करने के लिए एक संरचना प्रस्तुत है:

1. **शैलपुत्री (प्रकृति और आधार)**

लक्ष्य: विद्यालय के मूलभूत सिद्धांत और आधारभूत संरचना का विकास
प्रयोग: विद्यालय के शैक्षणिक और भौतिक ढांचे को मजबूत करने के लिए, साफ-सफाई, कक्षा अनुशासन, और नियमों के पालन पर जोर देना। छात्रों को प्रकृति संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूक करना । वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करें और स्कूल परिसर को हरियाली से भरपूर बनाना ।

2. ब्रह्मचारिणी (ज्ञान और तपस्या)
फोकस: शिक्षा और अनुशासन
प्रयोग: शैक्षिक अनुशासन, ध्यान और समर्पण पर जोर देना । छात्रों को आत्म-अनुशासन सिखाने के लिए योग और ध्यान सत्र आयोजित करना । "गहन अध्ययन सप्ताह" का आयोजन करना जिसमें छात्रों को गहरे ध्यान और केंद्रित अध्ययन के लिए प्रेरित किया जाए।

3. चंद्रघंटा (साहस और सुरक्षा)

फोकस: साहस, सुरक्षा और आत्मरक्षा

प्रयोग: विद्यालय में सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू करना । आत्मरक्षा प्रशिक्षण और आपातकालीन अभ्यास (ड्रिल) आयोजित करना । छात्रों को साइबर सुरक्षा और व्यक्तिगत सुरक्षा के प्रति जागरूक करना । छात्राओं के लिए आत्मरक्षा के विशेष कार्यक्रम आयोजित करना ।

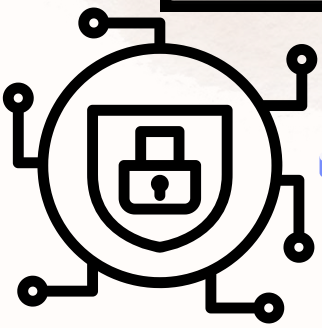

4. कूष्माण्डा (सृजन और रचनात्मकता)

फोकस: रचनात्मकता और नवाचार

प्रयोग: छात्रों की सृजनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए कला, शिल्प, नृत्य, संगीत, और विज्ञान प्रदर्शनियों का आयोजन करना । छात्रों को नवाचार और रचनात्मक विचारों के लिए प्रोत्साहित करना । "रचनात्मक सप्ताह" का आयोजन करना जिसमें हर दिन नई गतिविधियाँ हों।

5. स्कंदमाता (मातृत्व और पालन-पोषण)

फोकस: देखभाल और भावनात्मक पोषण

प्रयोग: शिक्षक-छात्र संबंधों को मजबूत बनाएं। काउंसलिंग और मार्गदर्शन कार्यक्रम आयोजित करेना , ताकि छात्रों को व्यक्तिगत और शैक्षिक सहायता मिल सके। माता-पिता और शिक्षकों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के लिए "पैरेंट-टीचर मीटिंग्स" को विशेष रूप से ध्यान देना।

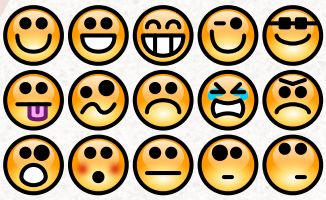

6. कात्यायनी (शक्ति और नेतृत्व)

फोकस: नेतृत्व और सशक्तिकरण

प्रयोग: छात्रों को नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क सिखाने के लिए गतिविधियों का आयोजन करना । विद्यालय परिषद (स्टूडेंट काउंसिल) की स्थापना करें, जिसमें छात्रों को जिम्मेदारी और नेतृत्व के अवसर दिए जाएं। छात्र-छात्राओं को सामाजिक परियोजनाओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करना ।

7. कालरात्रि (सुरक्षा और निडरता)

फोकस: निडरता और विपरीत परिस्थितियों से निपटने की शक्ति

प्रयोग: छात्रों को आत्मविश्वास और विपरीत परिस्थितियों से निडर होकर सामना करने के लिए प्रेरित करना । तनाव प्रबंधन सत्र, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और छात्रों के लिए "स्ट्रेस रिलीफ"

गतिविधियाँ आयोजित करना । परीक्षा के समय मानसिक दबाव कम करने के लिए शांतिपूर्ण वातावरण प्रदान करना ।

8. महागौरी (शुद्धता और शांति)
फोकस: स्वच्छता और शांति
प्रयोग: विद्यालय में स्वच्छता अभियान चलाना और छात्रों को व्यक्तिगत स्वच्छता और पर्यावरण के प्रति जागरूक करना । कक्षा में शांतिपूर्ण वातावरण बनाना , जिससे विद्यार्थी शांतिपूर्ण और ध्यान केंद्रित होकर अध्ययन कर सकें। योग और ध्यान सत्र भी आयोजित करना ।

9. सिद्धिदात्री (सफलता और उपलब्धि)
फोकस: सफलता और उपलब्धियों का जश्न
प्रयोग: छात्रों और शिक्षकों की उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए पुरस्कार और प्रशंसा कार्यक्रमों का आयोजन करना । शिक्षा, खेल, और अन्य गतिविधियों में छात्रों की सफलता का सम्मान करना । छात्रों को उनके लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने में सहायता करना ।

कक्षा सजावट: नवरात्रि के दौरान कक्षाओं और विद्यालय परिसर को नवदुर्गा की थीम के अनुसार सजाएं, ताकि छात्र इन गुणों को समझ सकें और उनसे प्रेरणा ले सकें।
इस प्रकार, नवदुर्गा की थीम पर आधारित केंद्रीय विद्यालय प्रबंधन छात्रों के सर्वांगीण विकास में सहायक हो सकता है, जिससे शैक्षणिक, मानसिक और भावनात्मक संतुलन को प्रोत्साहन मिलेगा।

Thank You